मत्ती ईसोपदेश 12 : 10 - 14

एक बार यीशु सभा में थे, तो उन्होंने एक सूखे हाथ वाले व्यक्ति को देखा। उन्होंने व्यक्ति से कहा "अपने हाथों को फैलाओ।" उसने हाथ फैलाया और उसका हाथ दूसरे हाथ की तरह, बेहतर हो गया।

राज्यपाल के पिता ज्वर और दस्त के कारण बिस्तर पर बीमार पड़े थे। जब पौलुस ने उस पर हाथ पर लिटा कर प्रार्थना की तो वह अच्छे हो गए। उपचार की बातें बहुत तेजी से फैलीं, और जल्द ही हर एक जन जो उस द्वीप में बीमार थे वह आये और अच्छे हो गए। (प्रेरितों के काम 28)

यदि तुम में कोई रोगी हो, तो उन्हें गिरजाघरों के अनुभवी व्यक्तियों के पास भेजा जाना चाहिए, और वे प्रभु के नाम से उस पर तेल मल कर उसके लिये प्रार्थना करें। और विश्वास से की गई प्रार्थना से रोगी बच जाएगा (याकूब 5 : 14 - 15)